खिलौना उद्योग के लिए गेम चेंजर होगा ईयू से समझौता व अमेरिकी टैरिफ से राहत

यूपी का करीब 85 प्रतिशत निर्यात नोएडा और ग्रेटर नोएडा से, देश में भी सबसे आगे

नवीन कुमार

ग्रेटर नोएडा। यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और अमेरिकी टैरिफ कम होने से गौतमबुद्ध नगर के खिलौना उद्योग को भी डबल डोज मिली है। इससे कुछ माह में ही खिलौना सेक्टर को रफ्तार मिलने की उम्मीद है। दो गेम चेंजर फैसले होने के बाद जिले के उद्यमियों ने तैयारी शुरू कर दी है और पुराने ऑर्डर को रिवाइज कर रहे हैं। साथ ही नए कारोबार की भी तलाश शुरू कर दी है।

देश से हर साल 5000 करोड़ से अधिक के खिलौनों का निर्यात होता है। इसमें से बड़ी मात्रा में निर्यात जिले से होता है। यहां पर खिलौना उत्पाद बनाने वाली 145 कंपनियां हैं जो हर साल करीब 1000 करोड़ का कारोबार करती हैं।

इसमें ज्यादातर कारोबार विदेशों में होती है। उत्तर प्रदेश से निर्यात होने वाले खिलौनों का 85 प्रतिशत हिस्सा गौतमबुद्ध नगर से होता है लेकिन पिछले साल से कारोबार ठंडा चल रहा था। इसका मुख्य कारण अमेरिका के टैरिफ को 50 प्रतिशत करना रहा।

उद्यमियों ने बताया कि एफटीए में 4.7 प्रतिशत आयात शुल्क हट गया है। अब यह शुल्क नहीं लगेगा। कुल कारोबार पर 4.7 प्रतिशत की बचत होगी। भारत में भी यह आयात शुल्क हटा है जिस पर यूरोपीय देशों से गुणवत्ता युक्त सस्ता सामान आने लगेगा। उधर अमेरिका ने भी टैरिफ 50 प्रतिशत से हटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है जो खिलौना उद्योग के लिए गेम चेंजर साबित होगा।

दुकान में रखे खिलौने। संवाद

> एफटीए और टैरिफ में कटौती से खिलौना उद्योग को बड़ी राहत मिली है। आने वाले दो से तीन माह में फिर से कारोबार पूर्व की तरह सामान्य हो जाएगा। यह खिलौना उद्योग के लिए गेम चेंजर साबित होगा। सबसे पहले पुराने ऑर्डर को पूरा कर भेजा जाएगा। **-तरुण चेतवानी, सचिव द टॉय एसोसिएशन ऑफ इंडिया**

> टैरिफ बढ़ने से खरीदारों ने ऑर्डर को होल्ड पर रख दिया था। अब उन पर फिर से वार्ता शुरू हो गई है। खिलौना कारोबार जल्द पटरी पर आ जाएगा। पूर्व में 25 से 30 प्रतिशत का नुकसान झेलना पड़ा है। **-पूनम माहेश्वरी, उद्यमी इकोटेक-3**

नोएडा और ग्रेटर नोएडा की है अहम भूमिका

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में एमएसएमई व निर्यातक सॉफ्ट टॉय, प्लास्टिक टॉय, एजुकेशनल व पजल टॉयल समेत मिश्रित सामग्री के खिलौनों को तैयार करते है। सबसे अधिक यूरोप, यूएस, मिडिल ईस्ट, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया में निर्यात होता है।

दोनों शहरों में 145 कंपनियां काम कर रही हैं। अब यमुना प्राधिकरण भी आधुनिक टॉय पार्क विकसित कर रहा है जो यमुना सिटी के सेक्टर-33 में 100 एकड़ जमीन पर विकसित होगा। यहां पर 134 खिलौना उद्योग लगेंगे। सेक्टर को विकसित करने का काम तेजी से चल रहा है। ऐसे में जिला खिलौना बाजार का एक बड़ा केंद्र बन जाएगा।